जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(जन–सम्पर्क अनुभाग)

(प्रेस विज्ञप्ति)

बिजली उपभोक्ताओं की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये

— ऊर्जामंत्री

जयपुर, 4 जून । प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि छबड़ा 250 मेगावाट एवं कालीसिन्ध की 600–600 मेगावाट की इकाईयों से अगस्त में विद्युत का उत्पादन प्रारम्भ हो जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शीघ्र ही दो नये सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट छबड़ा 800–800 मेगावाट एवं बांसवाड़ा 800–800 मेगावाट की इकाईयों के लिये टेण्डर की प्रकिया प्रारम्भ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इन इकाईयों के टेन्डर देने में इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि इन इकाईयों को निर्माण कम लागत व कम समय/निर्धारित समय में पूरा होना चाहिये। इन सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांटो का कार्य 2018 तक पूरा करने का लक्ष्य रख गया है। राज्य की सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल इकाईयों का कार्य भी 2016 तक पूरा किया जाना है।

उन्होंने बताया कि एल एण्ड टी एवं भेल के प्रतिनिधियों के साथ मिटिगं की गई है और इनको पाबन्द किया गया है वे प्रोजेक्ट का कार्य समय पर पूरा करें। उन्होंने बताया कि बिजली कनेक्शन देने की प्रकिया को तेज किया जायेगा। कनेक्शन बढेगें तो बिजली की मांग भी बढेगी इसलिये पावर प्लांटो का समय पर आना जरुरी है।

श्री खींवसर ने बताया कि बिजली कम्पनियों के अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये तथा उपभोक्ता की शिकायत तुरन्त दर्ज होनी चाहिये एवं उसका तुरन्त समाधान हो। उन्होंने बताया कि प्रदेश के उधोगो को भरपूर बिजली दी जायेगी जिससे प्रदेश में रोजगार के अवसर बढाये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में राजस्थान देश का सौलर हब बनेगा। राज्य में 25 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 125/2014